ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है|

कक्षा -8

हिन्दी

पाठ -5

गूदड़ साँईं

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

(ख) **"मत मारो, मत मारो, बच्चे को कहीं चोट लग जाएगी।"**

आशय स्पष्टीकरण—बच्चे जब साँई का गूदड़ खींचकर भागते थे तो उसे विशेष आनंद की अनुभूति होती थी। ऐसे ही जब एक बच्चा साँई का गूदड़ खींचकर भागा और वह उसकी तरफ़ दौड़ा तो ठोकर खाकर गिर पड़ा। उसी समय दूसरी तरफ़ से मोहन के पिता ने उस लड़के को पीटना शुरू किया तो साँई का हृदय दया से भर गया। वह बोला—मारो मत, बच्चे को कहीं चोट लग जाएगी जबकि साँई को पहले ही चोट लग चुकी थी। इसका आशय यह है कि सच्चे हृदय के लिए स्वयं कष्ट में रहकर भी दूसरों को कष्ट से बचाते हैं।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

(ग) **"गूदड़ साँईं, तुम निरे गूदड़ नहीं, गुदड़ी के लाल हो।"**

आशय स्पष्टीकरण—गूदड़ी का लाल होना एक मुहावरा है। इसका अर्थ होता है कि ऐसा व्यक्ति जिसकी बुद्धिमानी एवं योग्यता को लोग न समझते हों। साँईं को गुदड़ी का लाल कहने का आशय यह है कि सभी लोग उसे चिथड़ों वाला साँईं ही जानते थे परंतु वह बालकों को भगवान स्वरूप मानते थे तथा उनके मनोविनोद के लिए ही गूदड़ रखते थे। इसे केवल साँईं ही समझते थे। इसी कारण लेखक ने उसे गुदड़ी का लाल कहा।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

3. निम्नलिखित वाक्यों को जोड़कर लिखिए–

(क) अच्छा कल ज़रूर आना	(*i*) गुदड़ी के लाल हो।
(ख) एक दिन मोहन के पिता ने, उसे	(*ii*) गलबाही डाले साँई चला गया।
(ग) गूदड़ साँई! तुम निरे गूदड़ नहीं	(*iii*) साँई के साथ देख लिया।
(घ) बालक का मुँह पोंछते हुए	(*iv*) भूलना मत।

(क) = iv (ख) = iii (ग) = i (घ) = ii

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

4. पाठ के अनुसार चरित्र चित्रण कीजिए–

(क) गूदड़ साँईं – .....

.....

(ख) मोहन – .....

.....

(ग) मोहन के पिता – .....

.....

गुदड़ साँईं - गुदड़ साँईं एक शान्त सरल स्वभाव के व्यक्ति है।अपने स्थिति में वह सन्तुष्ट रहता था।बच्चो को वह भगवान का अवतार मानता था।

मोहन - मोहन एक छोटासा बालक है।दुःखी फकीर लोगों का सहायता करना उसे अच्छा लगता है।

मोहन के पिता - मोहन के पाश्चात्य शिक्षा और सभ्यता के रंगे हुए थे। इसलिए वे किस भी फकीरों पर विश्वास नहीं करते थे । परंतु अंत में साँईं का व्यवहार देख आश्चर्य हो गए ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow